

प्रेषक,

डॉ० अजय कुमार प्रद्योत,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
खेल निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन, खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 18 मार्च, 2014

विषय:- हेमवती नन्द बहुगुणा स्पोर्ट्स स्टेडियम अल्मोड़ा में बहुउद्देशीय भवन के निर्माण कार्य (प्रथम-चरण) के कार्यों हेतु धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-973/कॉर्पो0सेक्टर पत्रा0/2013-14 दिनांक 21 जनवरी, 2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि हेमवती नन्द बहुगुणा स्पोर्ट्स स्टेडियम अल्मोड़ा में बहुउद्देशीय भवन के निर्माण से सम्बन्धित प्रथम चरण के कार्यों हेतु टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत धनराशि ₹3.27 लाख (तीन लाख सत्ताईस हजार) मात्र की धनराशि की चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त के सापेक्ष इतनी ही धनराशि निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30 मार्च, 2013, में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। विस्तृत आगणन के गठन एवं अन्य सम्बन्धित कार्यों के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या- 571/xxvii(1)/2010 दिनांक 19 अक्टूबर, 2010 के आलोक में समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उक्त कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्त विभाग के शासनादेश सं0-474/XXVII(7)/2008 दि0-15-12-08 के विहित शर्तों के अनुसार कार्यदायी संस्था से निर्धारित प्रपत्र पर एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। नवीन बजट मैनुअल के प्रस्तर-180(छः) के आलोक में सम्यक परीक्षणोपरान्त संगत योजनान्तर्गत पूर्व स्वीकृत चालू कार्यों के सम्बन्ध में अग्रेत्तर यथावश्यक कार्यवाही की जानी सुनिश्चित की जायेगी।

3- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।

4- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि मदवार स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।



- 5- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 6- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- 7- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 8- यदि विभिन्न मदों हेतु स्वीकृत धनराशि अवशेष रहती है तो उक्त धनराशि द्वितीय चरण के आगणन में समायोजित की जाय।
- 9- कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- 10- प्रथम चरण के कार्य हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में करायी गयी डिजाईन/मानक, पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्ययता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए तदनुसार कार्यवाही की जाये।
- 11- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका से करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा, ऐसा व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय। कार्य करते समय टेण्डर विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेण्डर करने में कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसे समस्त बचतों को प्रचलित वित्तीय नियमों का अनुपालन कर राजकीय कोष में जमा कर दिया जाय।
- 12- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 13- वित्तीय वर्ष 2013-14 में लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम -04-स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण (नये कार्य)-00-24-वृहत निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।
- 14- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 352(P)/XXVII(3)/2013-14 दिनांक 08, मार्च, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं

भवदीय

(डॉ० अजय कुमार प्रद्योत)  
सचिव।

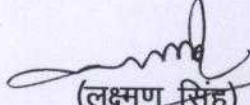
पृष्ठांकन संख्या-123/VII-2/2014-4 (7) 2009 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
3. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।

4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग, प्रखण्ड- अल्मोड़ा।
7. जिला कीड़ा अधिकारी अल्मोड़ा।
8. एन0आई0सी0 देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(लक्ष्मण सिंह)  
उपसचिव।